प्रारुप–6

प्रारम्भिक संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट का प्रारूप

आज दिनाँक 24-05-2018 .को प्रा0 ख0 लो0 नि0 वि0 पिथौरागड (एजेन्सी का नाम) के द्वारा पत्थरखानी से सेलकटिया डुबलिया विजरकाण्डा धूईरा तक बनाये जाने वाले मार्ग/प्रस्तावित परियोजना को बनाये जाने हेतु स्थल निरीक्षण किया गया। संयुक्त निरीक्षण के समय वन विभाग की ओर से श्री जी0एस0 धामी, वन दरोगा , राजस्व विभाग की ओर से श्री कापडी, पटवारी–आठगॉव शिलिग , प्रस्तावक विभाग की ओर से श्री आशीष धर्मसक्तु कनिष्ठ अभियन्ता अन्य दावेदारों की ओर से श्री कमलेश कुमार गुप्ता वर्क एजेंट तथा स्थानीय प्रतिनिधि के रुप में श्री चम्पा देवी ग्राम प्रधान के द्वारा प्रश्नगत परियोजना को बनाने हेतु सर्वश्रेष्ठ स्थल/समरेखन के चयन तथा अन्य वैकल्पिक स्थलों/समरेखनो के चयन हेतु भाग लिया गया ।

संयुक्त निरीक्षण में पाया गया कि सामाजिक आवश्यकता, परिस्थितिक आवश्यकता, आर्थिक मितव्यता तथा तकनीकी आवश्यकता के दृष्टि से जो समरेखन/स्थल सर्वथा उपयुक्त पाया गया है उसमें 3550 (मी0) नाप भूमि.से, 866 (मी0) सिविल भूमि से, 75 (मी0) वन पंचायत से, शून्य (मी0) आरक्षित वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखण/स्थल के चयन में कुल 4.05 हे0 नाप भूमि. 3.203 हे0, 0.78 हे0 सिविल भूमि 0.067 हे0 वन पंचायत भूमि शून्य हे0 आरक्षित वन भूमि की आवश्यकता होगी। जिनमें से कुल 0.847 हे0 भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी । इस समरेखन पर /चुने गये स्थल पर लगभग 13 वृक्ष विश्न्नि प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे,जिनमें से 8 बांज प्रजाति के प्रभावित होंगे ।

इस समरेखण के तुलना में जो वैकल्पिक समरेखण देखे गये उसमें 4050 (मी0) नाप भूमि.से, 875 .(मी0) सिविल भूमि से, 75 (मी0) वन पंचायत से, शून्य (मी0) आरक्षित वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखण/स्थल के चयन में कुल 4.05 हे0 नाप भूमि 3.18 हे0 0.78 हे0 सिविल भूमि 0.067 हे0वन पंचायत भूमि शून्य हे0 आरक्षित वन भूमि की आवश्यकता होगी। जिनमें से कुल 0.847 हे0 भूमि के हस्तान्तरण की आवक्यकता होगी । इस समरेखन पर /चुने गये स्थल पर लगभग 15 वृक्ष. विश्न्नि प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे,जिनमें से 10 बांज प्रजाति के प्रभावित होंगे ।

अतः परियोजना के निर्माण हेतु चयनित विकल्प संख्या प्रथम के वन भूमि के अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक एवं उपयुक्त भूमि उपलब्ध नहीं है तथा इस चुने गये वन भूमि की मांग न्यूनतम है।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण आरक्षित वन –– .कक्षों से गुजरेगा/में स्थित है। इन कक्षों की वर्तमान वन आच्छादन – –.है एवं इन कक्षों में –– प्रजाति के वन हैं। प्रभावित होने वाली नाप भूमि पर विश्न्नि .प्रजाति के वन हैं एवं प्रभावित होने वाली सिविल तथा नाप भूमि पर विश्न्नि प्रजाति के .वन हैं जिनका वर्तमान वन आच्छादन है। चुने गये समरेखन का प्रारम्भ होने के स्थल का GPS मान 29°32'13.368"N, 80°15'11.305"E. है तथा यह स्थल पत्थरखानी से प्रारम्भ होता है तथा समरेखण का अन्तिम स्थल विजरकाण्डा .है जिसका GPS मान 29°31'18.530"N, 80°14'52.184"E .है। चुने गये समरेखण/स्थल के बीच के स्थलों के GPS मान. 1– 29°31'44.470"N, 80°15'9.453"E, 2– 29°31'40.849"N, 80°15'8.587"E, हैं।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण किसी राष्ट्रीय पार्क/वन्य जीव अभ्यारहण्य का हिस्सा है/ नही है ।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण के चयन से ग्रामवासियों के परम्परागत अधिकारों का हनन होगा / नही होगा ।

इस समरेखण पर मोटर मार्ग के निर्माण के दौरान जो मलवा उत्सर्जित होगा उसके निस्तारण हेतु 3 .स्थल उपयुक्त पाये गये हैं जिनका GPS मान 1– 29°32'10.620"N, 80°15'1.392" 2– 29°31'55.228"N, 80°15'10.794" 3– 29°31'36.980"N, 80°15'3.958" 4–29°31'35.922"N, 80°15'13.973" हैं।

अन्य आवश्यक विवरण – उवरोक्तानुसार

तहसीलदार पिथौरागढ़

हस्ताक्षर	हस्ताक्षर	हस्ताक्षर	हस्ताक्षर	हस्ताक्षर
(प्रस्तावक एजेन्सी)	(वन विभाग)	(राजस्व विभाग)	(अन्य दावेदार)	(जन प्रतिनिधि)
प्रतिनिधि	प्रतिनिधि	प्रतिनिधि	प्रतिनिधि	प्रतिनिधि

अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0 पिथौरागढ़

वन क्षेत्राधिकारी पिथौरागढ़

पी0सी0 कापड़ी राजस्व उप निरीक्षक- तहसील एवं जिला-पिथौरागढ़

नोट– इस रिपोर्ट पर भूवैज्ञानिक की राय भी प्रस्ताव बनाने से पूर्व में ही प्राप्त कर ली जाये।